(Hd subject) वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तरी

B.A Part-I Philosophy

डा० अनीता कुमारी गुप्ता
के० के० कॉलेज बिरौल

1. न्याय दर्शन के प्रणेता किसे माना गया है?

Ans. महर्षि गौतम

2. न्याय-दर्शन के सम्पूर्ण उपलब्ध सामग्रियों को किस भाग में बाँटकर अध्ययन किया जाता है।

Ans. नव्य न्याय एवं प्राचीन न्याय

3. प्राचीन न्याय का सर्वाधिक और प्राचीन ग्रंथ गौतम का कौन-सूत्र माना गया है?

Ans- न्याय-सूत्र

4. प्राचीन न्याय में किस पर अधिक बल दिया गया है

Ans- तत्वशास्त्र

5. नव्य-न्याय में किस पर अधिक बल दिया गया है?

Ans- तर्कशास्त्र

6. न्याय दर्शन में चरम लक्ष्य किसे माना गया है?

Ans- मोक्ष

7. न्याय-दर्शन के अनुसार मोक्ष की अनुभूति कैसे संभव हो सकती है?

Ans- तत्वज्ञान से

8. तत्व की अनुभूति यानि वस्तुओं के वास्तविक स्वरूप को जानने के लिए न्याय-दर्शन में कितने पदार्थों की चर्चा की गई हैं?

Ans- सोलह

9. न्याय दर्शन में सत्य ज्ञान को क्या कहा गया है?

Ans- प्रमा

10. न्याय में यथार्थ ज्ञान के साधन को क्या कहा गया है?

Ans. प्रमाण